सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर

महात्मा गांधी अध्ययन केंद्र

शहीद दिवस 30जनवरी 2024

प्रतिवेदन

राजस्थान सरकार एवं आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा निदेशालय जयपुर के निर्देशानुसार दिनांक 30 जनवरी 2024 को मिनट 2 मिनट प्रोग्राम के तहत सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर के महात्मा गांधी अध्ययन केंद्र के द्वारा महात्मा गांधी सभागार में शहीद दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मिलन कुमार यादव, एकेडमिक प्रभारी प्रोफेसर अनिल दाधीच, प्रोफेसर राम मनोहर शर्मा, प्रोफेसर कल्पना अरोड़ा, कार्यक्रम के संयोजक डॉ रामानंद कुलदीप के द्वारा महात्मा गांधी के चित्र के सामने पुष्पांजलि दी गई।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग सभी संकाय सदस्य एवं लगभग 100 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे पुष्पांजलि के पश्चात गांधी जी के प्रिय भजनों का गायन हुआ। जिसमें मुख्यतः 'रघुपति राघव राजा राम' और 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' गीतों का गायन हुआ। निर्धारित समय के अनुसार गायन के पश्चात महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने हेतु एवं अन्य शहीदों के श्रद्धांजलि देने हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया।।

तत्पश्चात 'महात्मा गांधी के चिंतन में भारतीय संस्कृति के तत्व' पर एक संगोष्ठी की गई जिसके मुख्य वक्ता प्रोफेसर अरविंद परीक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष वनस्पति शास्त्र विभाग, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मिलन कुमार यादव, अकादमी प्रभारी प्रोफेसर अनिल दाधीच प्रोफेसर राम मनोहर शर्मा कल्पना अरोड़ा आदि के साथ-साथ महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य छात्राएं उपस्थित रहे।

संगोष्ठी मैं मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए कार्यक्रम प्रभारी डॉ रामानंद कुलदीप ने कहा की प्रोफेसर अरविंद पारीक पिछले 22 वर्षों से PG/UG कक्षाओं में पढ़ाने का अनुभव रखते हैं। लगभग सात पुस्तकों में सह लेखक हैं, वर्धमान महावीर विश्वविद्यालय के 18 से अधिक टेक्स्ट पुस्तकों में सहयोगी लेखक है। 50 से अधिक आपके रिसर्च पेपर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय जनरल से प्रकाशित हो चुके हैं।हाल ही में आप लिनीयन सोसायटी लन्दन के फेलो चुने गए हैं।

कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन करते हुए श्री रामानंद कुलदीप ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, विचार, सिद्धांत और मत कभी भी सर्वमान्य नहीं हो सकता। यदि कोई हठ करें कि अमुक विचार पर सर्वसम्मति आवश्यक है तो यह प्रकृति प्रदत्त वैविध्य के प्रति असहमति होगी,जो संभव नहीं है। महात्मा गांधी भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्यों को बहुत महत्व देते थे। भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का आधार बनाकर भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को जन्म देने वाले व्यक्ति थे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अरविंद पारीक ने “गांधी चिंतन में भारतीय संस्कृति के तत्वों” पर चर्चा करते हुए गांधी जी के द्वारा रचित पुस्तकों “हिंद स्वराज” और “सत्य के साथ मेरे प्रयोग” को आधार बनाकर स्पष्ट करने का प्रयास किया की गांधी न केवल कट्टर सनातनी थे वरन हिंदू जीवन मूल्यों को यथार्थ में बहुत महत्व देते थे। उन्होंने कहा मैं सनातनी हिन्दू हूं क्योंकि मैं दूसरे धर्मों का भी उतना ही आदर करता हूं जितना अपने धर्म का। मैं सनातनी हूं क्योंकि मैं गौहत्या को पाप मानता हूं। मानव प्रगति के लिए उन मूल्यों की महता को स्वीकार करते थे। सत्य, सत्याग्रह, अहिंसा, सविनय अवज्ञा,इन मूल्यों का आचरण कर न केवल भारतीय जनमानस बल्कि संपूर्ण विश्व में महात्मा गांधीजी ने पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाई। स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी जी की विराट

भूमिका का आधार इन्हीं सनातनी मूल्यों का आचरण था। गांधी जी को जानने और समझने के लिए उनकी उक्त रचनाओं को पढ़ने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया ।

गांधी जी को पढ़े बिना उन पर चर्चा करना न्याय संगत नहीं है। गांधी जी का जीवन भारतीय संस्कृति व मूल्यों की साक्षात अभिव्यक्ति था।उनकी रामराज्य की अवधारणा आज के संदर्भ में समाज के हर व्यक्ति को सम्मान जनक जीवन का हक देना था। गांधी जी के विचारों का विश्वव्यापी प्रभाव उनकी स्वीकार्यता और भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति वैश्विक सहमति है।

एकेडमिक प्रभारी प्रो० अनिल दाधीच ने अपने उद्बोधन में कहा कि गांधी जी की दो रचनाओं से उनको समझा जा सकता है। गांधी जी का व्यक्तित्व इतना प्रभावी था कि उनकी उपस्थिति 25 किलोमीटर तक ओरा बनाती थी।

दर्शनशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो० रेखा यादव ने जिज्ञासा समाधान में कहा कि गांधी सभी धर्मों के सम्मान के पक्षधर थे।साथ ही धर्मान्तरण के घोर विरोधी थे। उन्होंने कहा कि गांधी जी की मान्यता थी कि हम श्रेष्ठ हिन्दू बने, श्रेष्ठ ईसाई बने, श्रेष्ठ मुसलमान बने,भारत की यह परम्परा रही है कि यहां सभी पंथ और विचार सम्मानीय रहे हैं।सनातन का अर्थ है जो नष्ट नहीं होता , ऐसे मूल्य जो शाश्वत हैं वे सनातन है। गांधी जी एसे मूल्यों के साधक थे।

कार्यक्रम का संचालन प्रो० मोनिका मिश्रा ने किया और अन्त में धन्यवाद ज्ञापन प्रो०ज्योति देवल ने किया। सामूहिक राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ।

MAPPLS
mappls.com/uolcdn
Beawar Road, Hazari Bhag, Isai Mohalla, Aj...
30-01-2024, 11:00:12
MAPPLS